प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

औद्यानिकी में बड़े बदलावों की वकालत की वैज्ञानिकों एवं योजनाकारों ने

पंतनगर। 28 मई 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के उद्यान विज्ञान विभाग द्वारा 'अभिनव बागवानी एवं मूल्य श्रंखला प्रबंधन' विषय पर आज से आयोजित किये गये अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित वरिष्ठ वैज्ञानिकों व योजनाकारों ने औद्यानिकी में बड़े बदलाव किये जाने कि अत्यंत आवश्यकता बतायी। विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम, गांधी हाल में आयोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, के महानिदेशक, डा. टी. मॉहपात्रा थे। इस तीन-दिवसीय सम्मेलन का आयोजन पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा लेफ्टिनेंट अमित सिंह फाउंडेशन के तत्वाधान में कॉनफेडरेशन ऑफ हार्टीकल्चर ऐसोशिएशन ऑफ इण्डिया (सीएचएआई), नई दिल्ली, के सहयोग से किया जा रहा है।

डा. मॉहपात्रा ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण से किसानों की आय बढ़ने के साथ-साथ रोजगार में भी वृद्धि होगी, जिससे वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी किये जाने के लक्ष्य को पूरा करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य से अब उत्पादन के मुकाबले आय बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित हो गया है, किन्तु अब कम क्षेत्रफल से अधिक उत्पादन प्राप्त करना होगा। उन्होंने औद्यानिक फसलों के बीजों की उपलब्धता के साथ-साथ तकनीकों के बड़ी मात्रा में प्रयोग पर बल दिया तथा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसंस्करण इकाईयां स्थापित किये जाने पर बल दिया। उन्होंने कच्चे उत्पाद के स्थान पर प्रसंस्कृत पदार्थों के निर्यात पर बल दिया। डा. मॉहपात्रा ने कहा कि हमें समस्याओं व उनके समाधान के बारे में जानकारी है तथा आगे बढ़ने वाली दिशा की भी जानकारी है, केवल कार्यान्वयन किया जाना है।

इस अवसर पर मंचासीन वैज्ञानिकों, प्रशासकों व नीति निर्धारकों ने एक सुर में औद्यानिक फसलों के प्रबंधन के विभिन्न आयामों में बदलाव के लिए कहा। उपस्थित डा. अशोक दलवाई, पूर्व सचिव एवं अध्यक्ष, किसानों की आय दोगुनी करने की समिति; डा. के.वी. प्रभु, अध्यक्ष, पौध किस्म संरक्षण एवं किसान अधिकार प्राधिकरण; डा. जे.पी. मीणा, पूर्व सचिव, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार; डा. ए.आर. पाठक, कुलपति जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय एवं अध्यक्ष भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संगठन; तथा डा. तेज प्रताप, कुलपति, पंतनगर विश्वविद्यालय, इस बात पर एकमत थे कि खाद्य सुरक्षा से अब पोषण सुरक्षा की ओर बढ़ते हुए हमें औद्यानिक फसलों की ओर अधिक ध्यान देना है। उन्होंने औद्यानिकी के शिक्षण, शोध, उत्पादन, तकनीक विकास, मूल्य संवर्धन इत्यादि आयामों में बड़े बदलाव किये जाने की आवश्यकता बतायी। उन्होंने कहा कि औद्यानिक उत्पादों का उत्पादन खाद्यान्न फसलों के उत्पादन से अधिक हो गया है, लेकिन उनके शीघ्र खराब होने के कारण उनका प्रबंधन एवं निर्यात की ओर अधिक ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। प्रसंस्करण के लिए उपयुक्त प्रजातियों का विकास, उत्पादन स्थान से उपयोग किये जाने वाले स्थान तक परिवहन तथा विश्वस्तरीय उत्पादों का निमार्ण किया जाना आवश्यकता है। वे सभी सहमत थे कि उत्पादन स्थान पर उत्पादों को इक्ट्ठा करने, उनका भण्डारण व मूल्यवर्धन कर उनका परिवहन व निर्यात किये जाने के लिए एक तंत्र स्थापित किया जाना जरूरी है। कार्यक्रम के अन्त में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. जे. कुमार ने सभी का धन्यवाद किया। मंच पर एएसएम फाउंडेशन की राष्ट्रीय संयोजक सचिव, श्रीमती बिमला सिंह भी उपस्थित थीं।

इस अवसर पर सम्मेलन के संयोजक, डा. एच.पी. सिंह ने सीएचएआई के फेलोशिप अवार्ड, की घोषणा की साथ ही एएसएन फाउंडेशन अवार्ड तथा मेहता फाउंडेशन अवार्ड विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य किये जाने वाले वैज्ञानिकों व व्यक्तियों को मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रदान किये गये। कई प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व संस्थानों के लगभग २५० वैज्ञानिक, जिनमें कई कुलपति एवं पूर्व कुलपति उपस्थित थे, ने प्रतिभागिता की। इस तीन-दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित होंगे, जिनमें स्मार्ट प्रबंधन तंत्र, डिजाइनर फसलें एवं इनका प्रबंधन, अभिनव तकनीक एवं जलवायु स्मार्ट तंत्र इत्यादि सम्मिलित हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में साहित्य का विमोचन करते मंचासीन अतिथिगण।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि का संबोधन करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, के महानिदेशक, डा. टी. मोंहपात्रा।